रात्रिक्लास 14-6-68 ओम शान्ति शिव बाबा याद है?

सात रोज में अगर ब्राह्मण-ब्राह्मणियां नहीं बनते हैं तो बुधूकहेंगे। प्रजा में चले जावेंगे। वास्तव में सात दिन का कोर्स है। इसमें समझ कर समझाने लायक बन जाना है। मेरे ध्यान में सातरोज में एकदम तैयार हो जाना चाहिए। सात रोज यहां आकर अन्दर रहे न पत्र व्यवहार न कोई से मिले। क्वारन टाईम में रहना पड़े। सारादिन यहां संग में। उनको सात रोज कहा जाता है। तो फिर जल्दी 2 पास हाकर निकल पड़ेंगे* सर्विस पर। मूल बात एक बात समझ जाये तो आपे ही उठ जाये। बाप को याद करने से स्वर्ग की बादशाही मिलती है। दैवीगुण जरूर धारण करनी है। नब्ज देखने वाला बड़ा होशियार चाहिए। सृष्टि का चक्र कैसे फिरता है यह नालेज की बुध में जरूर होनी चाहिए। स्वदर्शनचक्रधारी हो बैठना है। बच्चों को सर्विस में लग-लगा होना चाहिए। कोई राय हो बाबा यहां क्या2 होना चाहिए बता सकते हैं। घर के बच्चे हो ना। यह है टावर आफ सायलेन्स। मनुष्य शान्ति चाहते हैं ना। तुम बैठते ही ऐसे हो जैसे कि शरीर छोड़कर जाते हो। यह भी बुधि में रखना है टाकी को छोड़ जाते युवी में। सायलेन्स में जाना है। शान्ति बहुत रहनी चाहिए। आवाज़ न हो। शान्ति से रहने से कोई को भी आने से मज़ा आवेगा। यहां मरना सिखाया जाता है। हमको जाना है अपने घर। दुनिया गुल2 बन जावेगी। फिर हम आवेंगे। जो कोई भी आवे तुम बोलो तुम बन्दर से देवता बनना चाहते हो तो बनो। प्रबन्ध मकान आद का करो। बोझा नहीं पड़ेगा। बाबा पास पैसे बहुत हैं। राजाई हम स्थापन करते हैं। तो पैसे भी हम खर्च करते हैं। मालिक भी हम बनेंगे। युक्ति से ईशारा भी देना पड़ता है। हम ब्राह्मण अपने लिए राई स्थापन कर रहे हैं। तो हम अपना ही खर्चा करेंगे भिखारी थोड़े ही हैं जो दूसरे का पैसा लगावेंगे। हम अपना ही लगाते हैं। यह योगबल की बात है। बाप कहते हैं याद से तुम स्तोप्रधान बन नई दुनिया में आ जावेंगे हम अपने पैसे से अपनी राजधानी स्थापन करते हैं। हम तो भीख मांगने का नहीं हैं। हम राजाई स्थापन करने लिए अपने गवर्मेन्ट से ही नहीं लेते हैं तो बाहर वालों से कैसे लेंगे। इतने ढेर बच्चे बैठे हैं। जानते हैं यह सब खलास हो जाना है। इसलिए अपना लगाते रहते हैं। हम अपने पैसे लगा सकते हैं फिर शाहुकार से लेवे ही क्यों ही क्यों। बाबा पास जमा करते हैं बाबा भी मदद करते हैं। इनकम टैक्स आद की तो बात ही नहीं। वन्डरफुल बात है ना। पढ़ाई से राजधानी मिलता है। पैसे की तो दरकार ही नहीं रहती। हम जानते हैं हम जो करेंगे हम पावेंगे। अपने लिए ही राजधानी स्थापन करते हैं। भीख लेने की बात ही नहीं। कोई में भी मोह न रखना है। क्योंकि जानते हैं यह सभी खत्म होनी है। मोह किस में रखें। तुम सभी आत्माएं पढ़ रहे हो। मोह की बात ही नहीं। रग तोड़नी है। हम आत्माओं को जाना है घर। यह पुराना शरीर छोड़ देना है। हम आत्माएं चले जावेंगे फिर आवेंगे नहीं। मोह रखेंगे तो अन्त काल जो ... सुना है कब गीत। बाबा की स्मृति में अन्त काल जो भी मरेंगे तो स्वर्ग का मालिक बन जावेंगे। तुम अपना वकील आपे ही बनते हो* श्रीमत पर। अच्छा बच्चों को गुडनाईट और नमस्ते।

डायरेक्शन:- सभी सेन्टर्स के स्टुडेन्टस को खास यह बात ध्यान में रखनी है कि आजकल पोस्टेज चार्ज बढ़ गये हैं इसलिए पोस्ट-आफिस से पूछ कर पोस्ट पर टिकेट पूरी लगावें। नहीं तो यहां पर डबल, ट्रैबल डन्ड भी भरना पड़ता है। और पोस्ट भी दो-चार दिन लेट मिलती है।

(2):- नांगल में बृजमोहन ने सेन्टर का मकान बदली किया है जिसकी एड्रेस लिख रहे हैं:-

फोन, नम्बर :-506

BRAHMA KUMARIS
11/4/4, SECTOR,
NAYA NANGAL (Pb).